बड़ा या छोटा!

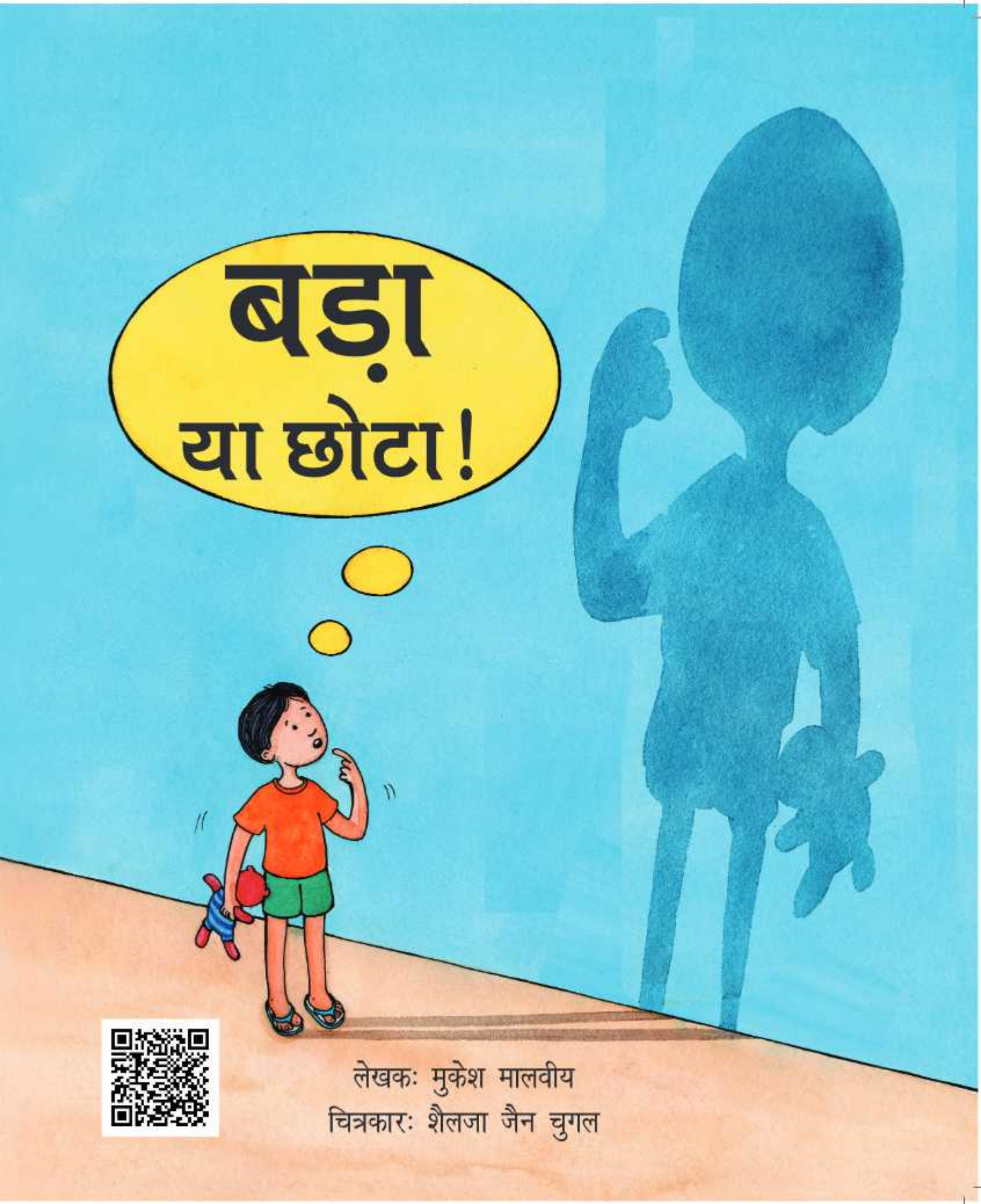

लेखकः मुकेश मालवीय
चित्रकारः शैलजा जैन चुगल

Room to Read

रूम टू रीड, साक्षरता और शिक्षा में लैंगिक समानता को केंद्र में रख कर विकासशील देशों के लाखों बच्चों की ज़िंदगियों में बदलाव के लिए प्रयासरत है। हम स्थानीय समुदायों, सहयोगी संस्थाओं और सरकारों के साथ मिलकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए काम करते हैं तथा बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में, जीवन कौशलों को विकसित करते हुए, मदद करते हैं। ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें और जीवन में सफल हो सकें।

Room to Read seeks to transform the lives of millions of children in developing countries by focusing on literacy and gender equality in education. Working in collaboration with local communities, partner organizations and governments, we develop literacy skills and a habit of reading among primary school children, and support girls to complete secondary school with the relevant life skills to succeed in school and beyond.

बड़ा या छोटा!

Too Young and Old Enough

Copyright © Room to Read 2020.
All rights reserved.
Room to Read India Trust,
Office No. 201E (B), 2nd floor, D-21 Corporate Park,
Sector-21, Dwarka, New Delhi-110075
www.roomtoread.org

प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी अंश पुनःमुद्रित नहीं किया जा सकता है।

No part of this publication may be reproduced in whole or in part or stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the publisher.

समर्पित | Dedication

इस किताब का बनना रूम टू रीड के उदार दानदाताओं के कारण संभव हो पाया है।

This book was made possible by the generous donors of Room to Read.

Visit us at https://literacycloud.org/ to read more books Online

बड़ा
या छोटा!

लेखकः मुकेश मालवीय
चित्रकारः शैलजा जैन चुगल
हिंदी अनुवादः दिलीप सिंह तंवर

मैं भी चलाऊँ?

नहीं, अभी तुम छोटे हो।

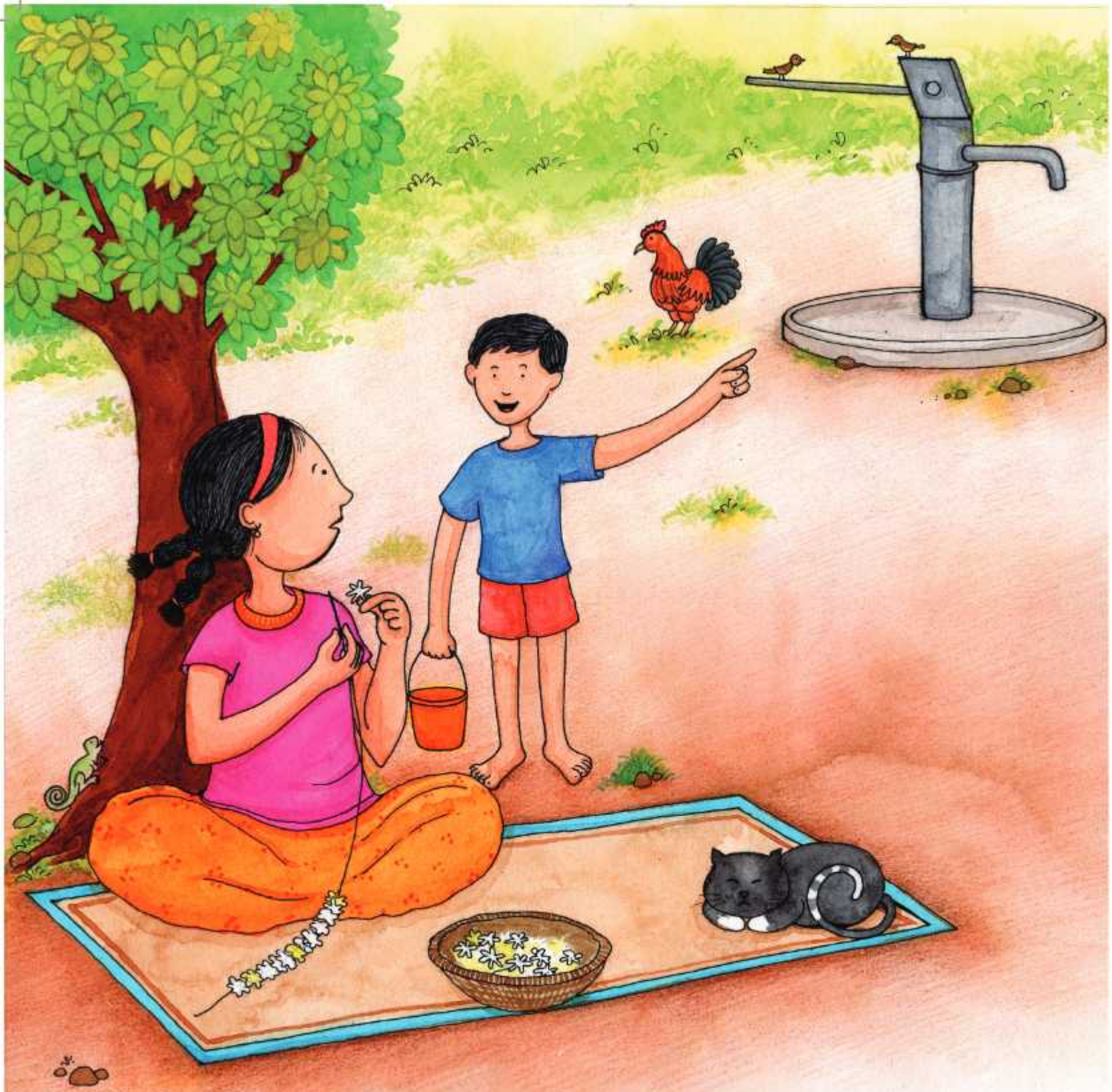

दीदी पानी चला दो।

अब तुम बड़े हो गए हो।
ख़ुद चलाओ।

माँ, मैं भी काटूँ?

नहीं, तुम अभी छोटे हो।

माँ, खाना खिलाओ।

अब तुम बड़े हो गए हो।
ख़ुद खाओ।

मैं भी करूँ?

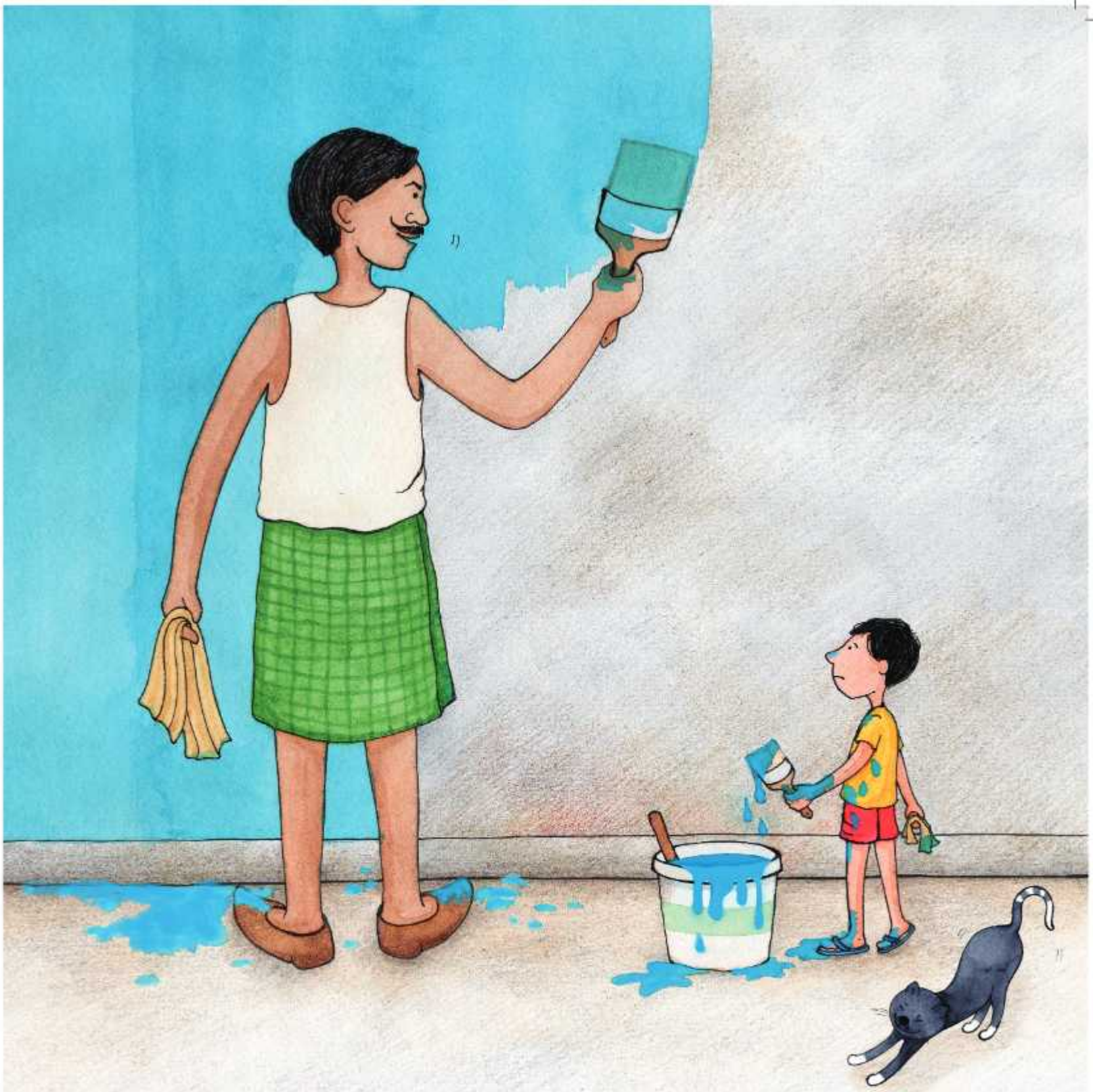

नहीं, अभी तुम छोटे हो।

जूते पहना दो।

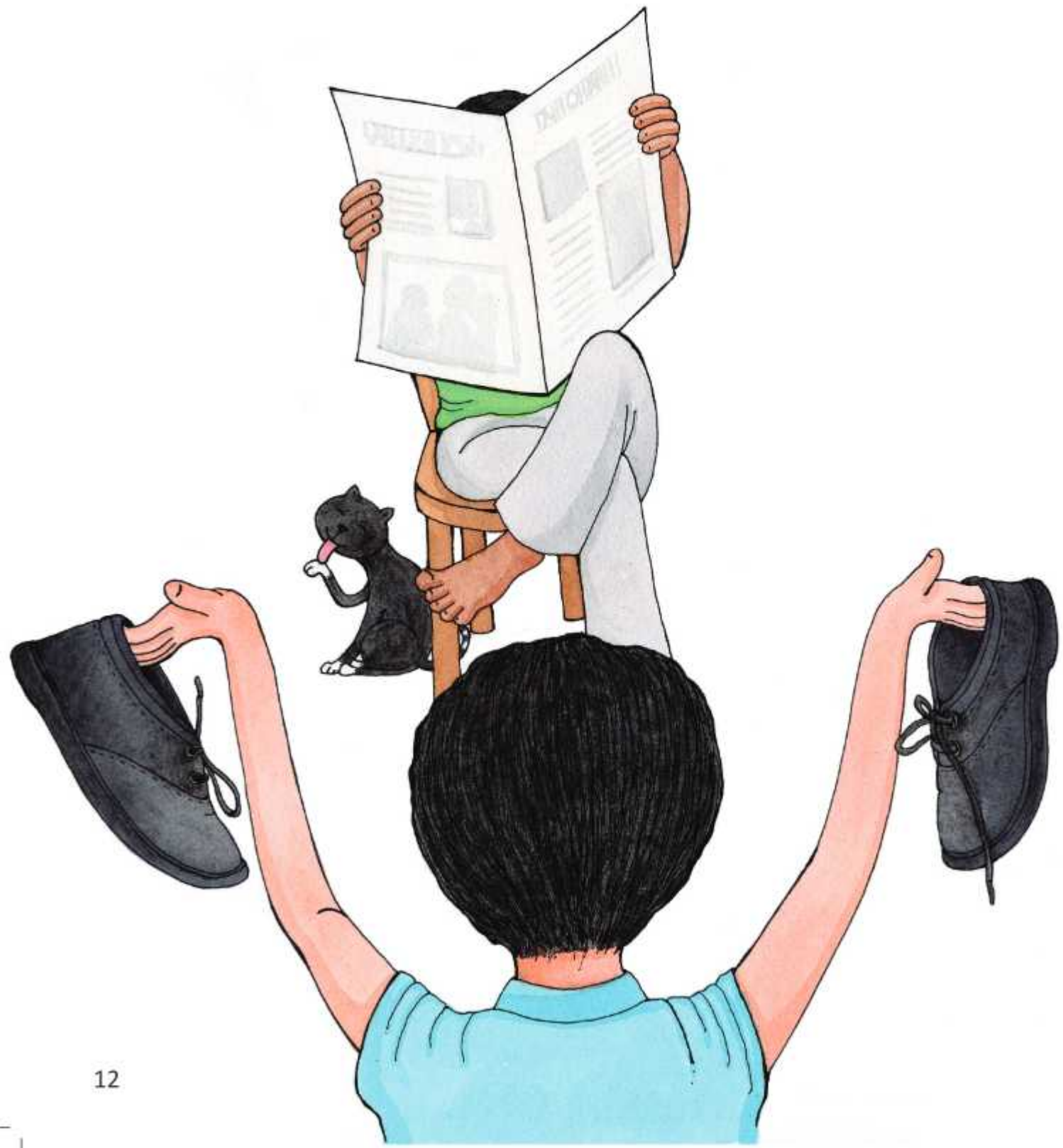

अब तुम बड़े हो गए हो।
ख़ुद पहनो।

मैं बड़ा हूँ या छोटा?

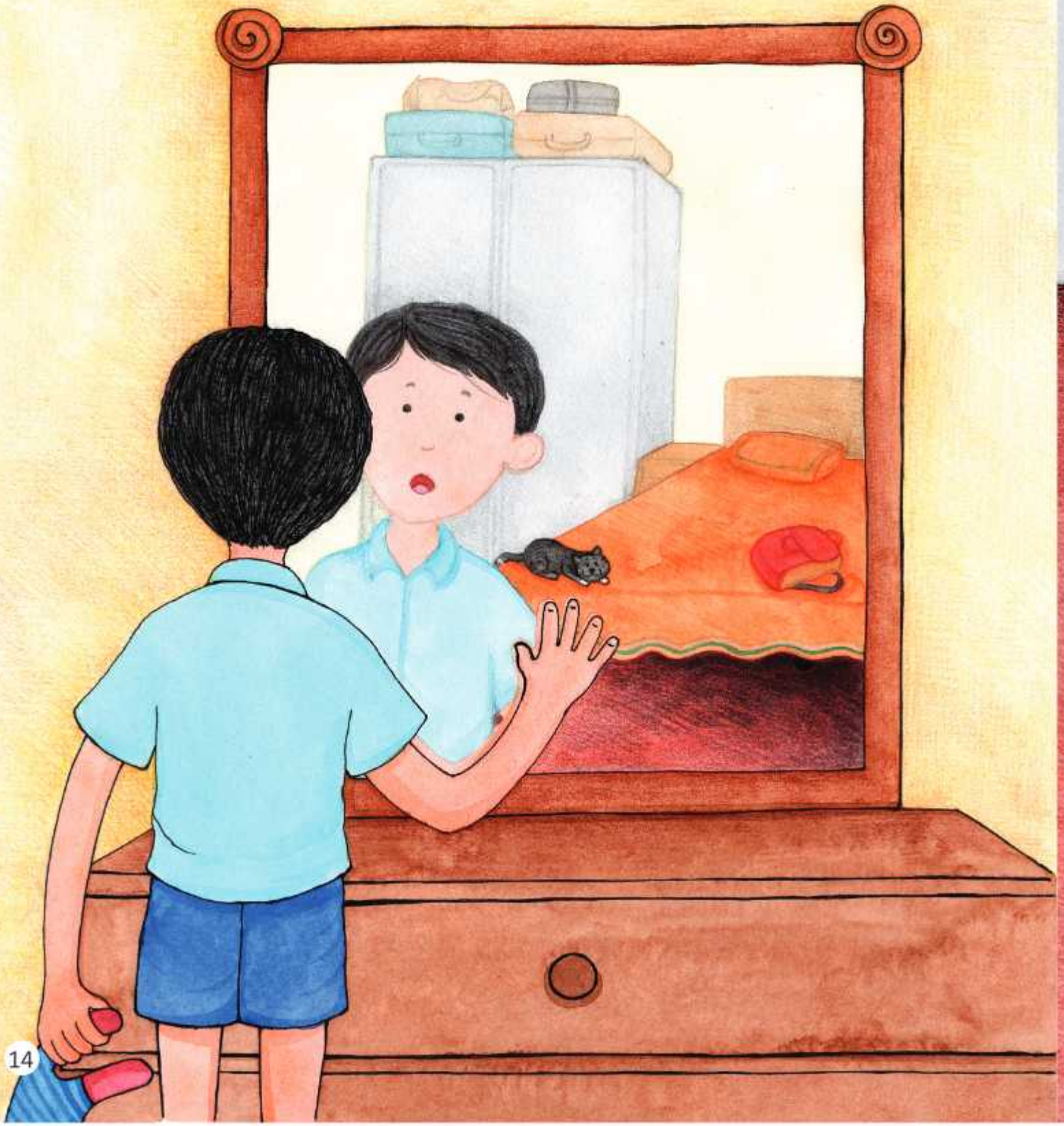

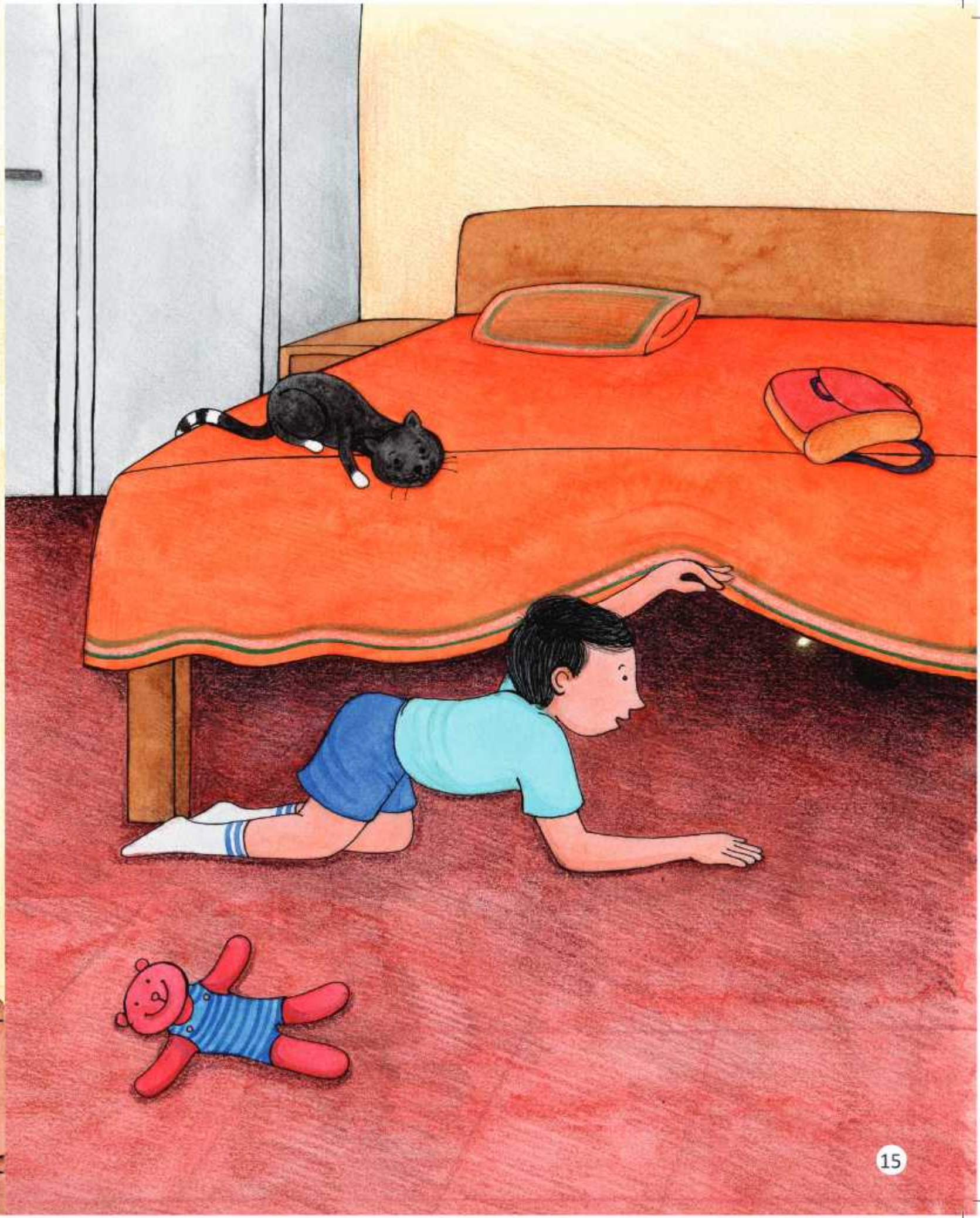

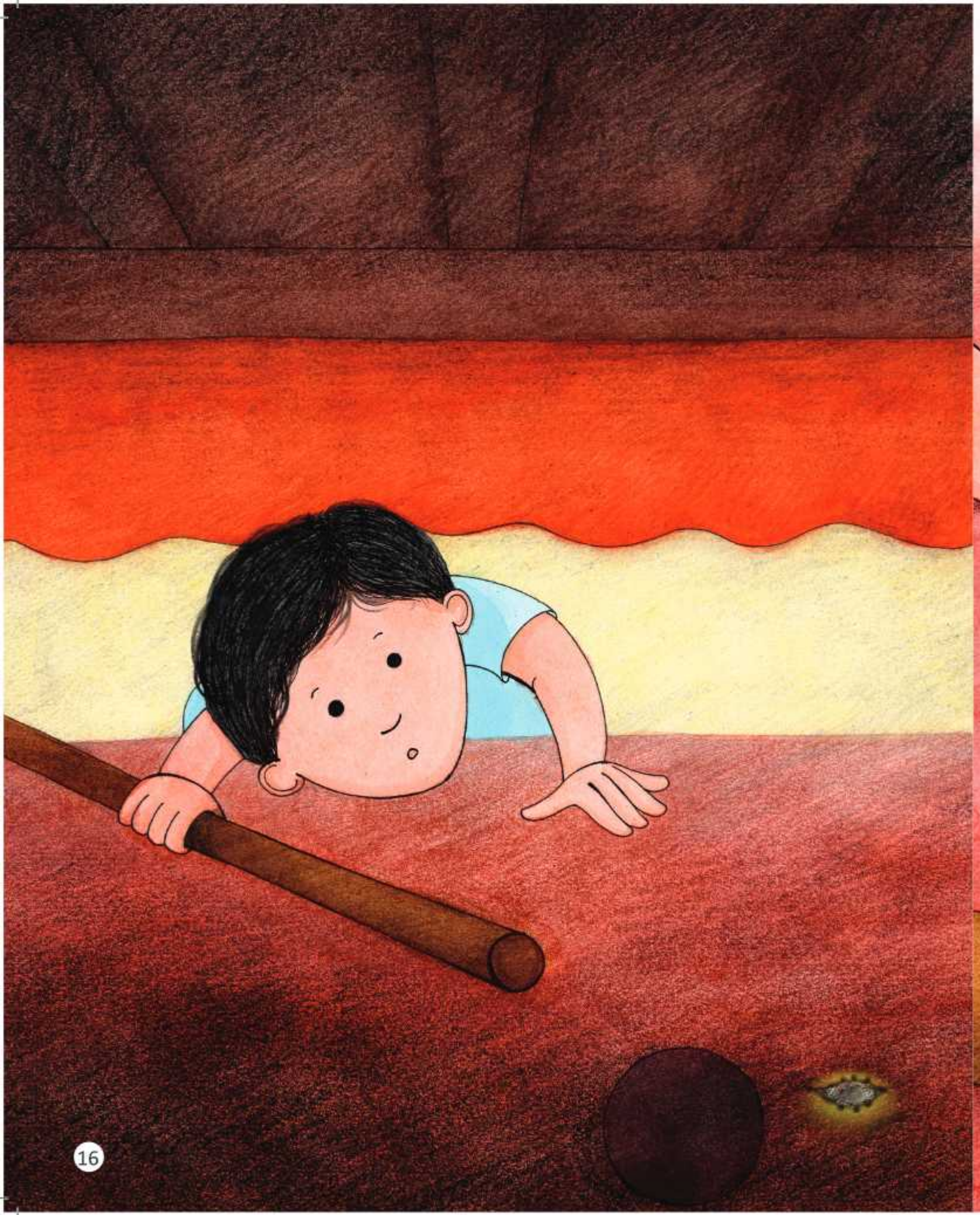

अरे! ये तो माँ का है।

मैंने इसे कितना ढूँढा था।

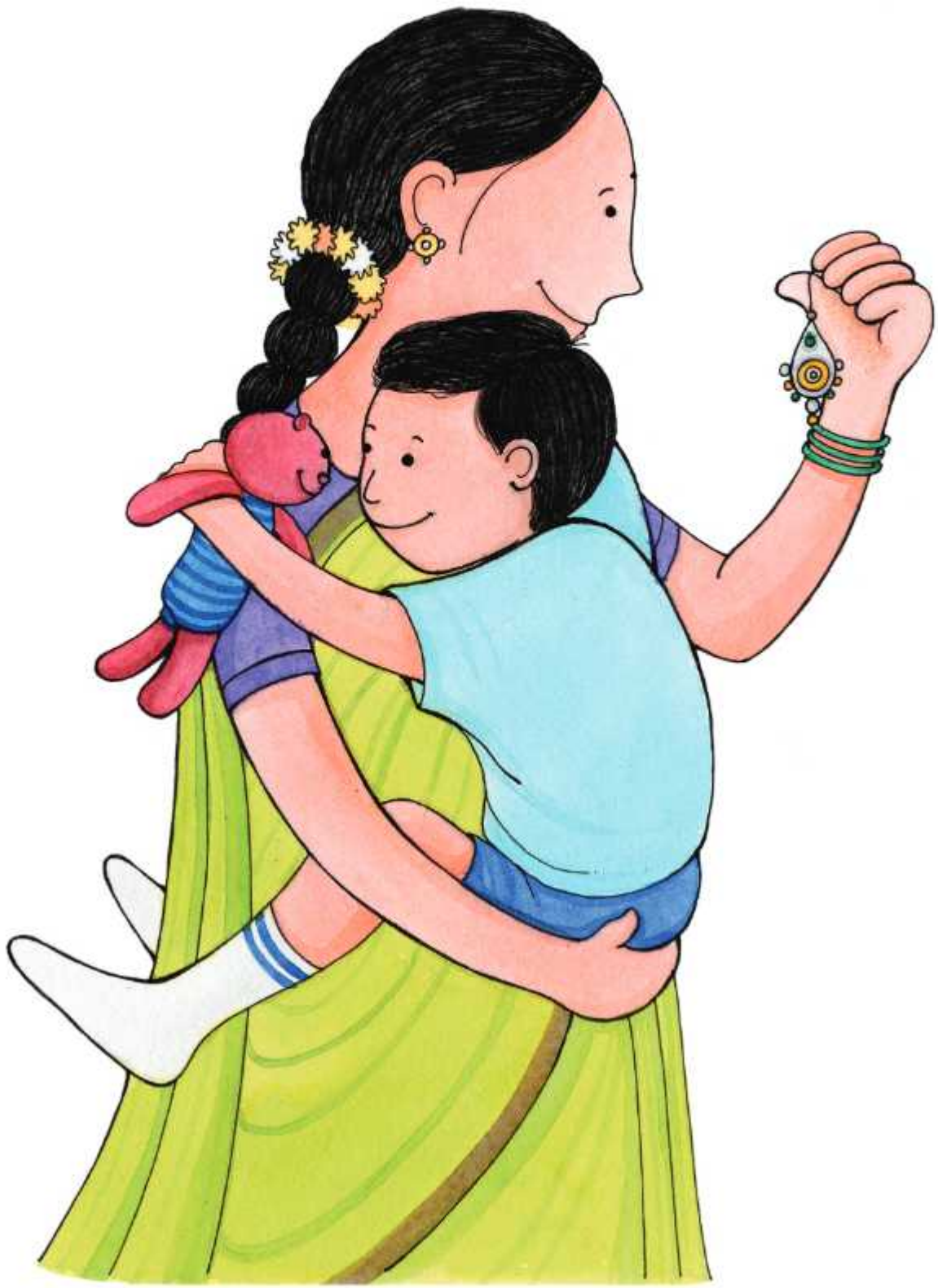

अब तो तुम बड़े हो गए!

पर मैंने तो कुछ
किया ही नहीं!

प्रकाशक: रूम टू रीड इंडिया
Publisher: Room to Read India

भाषा: हिंदी
Language: Hindi

संस्करण: प्रथम, 3500 प्रतियाँ
Edition: First, 3500 Copies

प्रिंटर: चन्दु प्रेस, दिल्ली–92
Printer: Chandu Press, Delhi-92

लेखक के बारे में

मुकेश मालवीय पिछले दो दशकों से सरकारी स्कूल में पढ़ा रहे हैं। इस काम में मुकेश का मन रमता है क्योंकि यहाँ वे बच्चे-बच्चियों के साथ बातचीत कर पाते हैं। मुकेश स्कूल के लिए किताबें तैयार करते रहे हैं। उन्हें लगता है कि कोर्स की किताबें भी कुछ इस तरह लिखी जाएँ कि बच्चे-बच्चियाँ उन्हें उसी चाव से पढ़ें जिस चाव से वे कहानियों की किताबें पढ़ते हैं।

About the Author

Mukesh Malviya has worked as a teacher in government schools for over twenty years. He enjoys his work as it provides him the opportunity to learn from children and engage them in the learning process. In addition to teaching, Malviya is involved in the development of textbooks for schools and hopes to create textbooks that children will find as appealing as storybooks.

चित्रकार के बारे में

शैलजा जैन चौगले को कला और सिनेमा हमेशा ही मुग्ध करते रहे हैं। उनकी कहानियाँ अक्सर प्रकृति और आस-पड़ोस की दुनिया से प्रेरित होती हैं। इनके काम को इस वेबसाइट पर देखा जा सकता है- www.shailjaj.wordpress.com.

About the Illustrator

Shailja Jain Chougule has always been fascinated by art and cinema. Her stories are often inspired by nature and the world around her. More of Chougule's work can be found at - www.shailjaj.wordpress.com.

एक बच्चा अपने जूते पहनने के लिए तो बड़ा है, पर पिता के साथ पुताई करना चाहे तो वह छोटा है। वह ख़ुद खाना खाने के लिए तो बड़ा है, पर खाना बनाने में माँ की मदद करे तो वह अभी छोटा है। वह द्वंद में है कि वह बड़ा है या छोटा। आख़िर वह क्या करे, जिससे माता-पिता को पता चल सके कि वह उनकी मदद करने के लिए पर्याप्त बड़ा है।

A little boy is old enough to tie his shoes, but too young to help his father paint the house. He is old enough to feed himself, but too young to help his mother cook. What can the little boy do to show his parents that he is old enough to help?

ISBN 978-93-84697-48-8
9 789384 697488

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

Room to Read
World Change Starts with Educated Children.